बावरिया | by Anjali Dwivedi

घिर आया है जीवन में मेरे कष्टों का तूफान
हाथ पकड़ ले आके मेरा कहीं निकल ना जाये जान

थामो हाथ आके मेरे सांवरिया
दर पे खड़ा है तेरे भगत बावरिया

लाखों की बाबा तूने बिगड़ी बनायीं है
मेरी भी किस्मत तेरे दर पे ले आई है
मैंने सुना है तू हारे का सहारा है
हारे का सहारा बेसहारे का सहारा है
कैसी जादूभरी तेरी नगरिया
दर पे खड़ा है तेरे भगत बावरिया

आँखों में आंसू और पैरों में छाले हैं
रूठा क्यों मुझसे मेरे श्याम खाटू वाले है
मेरा जीवन अब तो तेरे हवाले है
मुझसे भी पहले तूने लाखों संभाले हैं
बीत जाये चाहे सारी उमरिया
दर पे खड़ा है तेरे भगत बावरिया

शीश का दानी है तू लखदातार है
धीरज बँधाये तू ही करे बेडा पार है
चरणों में तेरे मेरा कुल संसार है
कठपुतली हूँ में तू ही करतार है
मेरा श्याम देखो सबकी रखता खबरिया
दर पे खड़ा है तेरे भगत बावरिया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-by-anjali-dwivedi/